



पाठ-11

हमारा प्रदेश: उत्तर प्रदेश

अपने देश भारत में 29 राज्य एवं 7 केन्द्रशासित प्रदेश हैं। हमारा प्रदेश- उत्तर प्रदेश, भारत के उत्तर मध्य में स्थित एक सीमावर्ती राज्य है। इसके उत्तर में भारत का पड़ोसी देश नेपाल स्थित है। उत्तर प्रदेश का विस्तार 23° 52' उत्तरी अक्षांश से 30° 24' उत्तरी अक्षांश तथा 77° 05' पूरबी देशान्तर से 84° 38' पूरबी देशान्तर के मध्य है। पूरब से पश्चिम इसकी लम्बाई 650 किमी तथा उत्तर से दक्षिण चौड़ाई 240 किमी है। इसका क्षेत्रफल 240928 वर्ग किमी हैं, जो सम्पूर्ण भारत के क्षेत्रफल का 7.33 प्रतिशत हैं।



चित्र 11.1

उत्तर प्रदेश के राजनीतिक मानचित्र को देखिए। इसके उत्तर में नेपाल देश तथा उत्तराखण्ड एवं हिमाचल प्रदेश राज्य स्थित हैं। इसी प्रकार पूरब में बिहार तथा झारखण्ड, दक्षिण में छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश तथा पश्चिम में हरियाणा एवं राजस्थान राज्य तथा केन्द्र शासित प्रदेश दिल्ली स्थित हैं।

उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 75 जनपद हैं जो 18 मण्डलों में विभाजित हैं। इनका विवरण निम्नलिखित है।

कमिष्नरी या मण्डल जनपद एवं प्रदेश के मध्य की प्रशासनिक इकाई है। इसका प्रमुख कमिष्नर (मण्डलायुक्त) कहलाता है।

क्र.सं.	मण्डल	जनपद सं०	जनपद
1.	लखनऊ	8	लखनऊ, उन्हाय, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई एवं लखीमपुर खीरी
2.	कानपुर	6	कानपुर नगर, कानपुर देहात, द्रटाण, फर्रुखाबाद, कन्नौज एवं औरिया
3.	मेरठ	6	मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर, बागपत एवं हापुड
4.	फैजाबाद	5	फैजाबाद, बाराबंकी, अम्बेदकर नगर, सुलतानपुर एवं अमेठी
5.	अलीगढ़	4	अलीगढ़, हाथरस, एटा एवं कासगंज
6.	आगरा	4	आगरा, मथुरा, मैनपुरी एवं फिरोजाबाद
7.	वाराणसी	4	वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली एवं जौनपुर
8.	गोरखपुर	4	गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर एवं महाराजगंज
9.	देवीपटन	4	गोंडा, बलरामपुर, बहराइच एवं श्रावस्ती
10.	बरेली	4	बरेली, शाहजहाँपुर, पीलीभीत एवं बदायूं
11.	मुरादाबाद	5	मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर, अमरोहा एवं संभल
12.	ब्रलाहाबाद	4	ब्रलाहाबाद, कौशाम्बी, फतेहपुर, एवं प्रतापगढ़
13.	चित्रकूटधाम	4	बाँदा, चित्रकूट, महोबा एवं हमीरपुर
14.	मीरजापुर	3	मीरजापुर, भदोही एवं सोनभद्र
15.	बस्ती	3	बस्ती, संतकबीर नगर, एवं सिद्धार्थ नगर
16.	झांसी	3	झांसी, ललितपुर एवं जालौन
17.	आजमगढ़	3	आजमगढ़, बलिया एवं मऊ
18.	सहारनपुर	3	सहारनपुर, शामली एवं मुजफ्फरनगर

1. आपका जनपद किस मण्डल में है ?

2. आपके जनपद के पड़ोसी जनपद किन-किन मण्डलों में हैं ?

उत्तर प्रदेश के प्राकृतिक विभाग

प्राकृतिक अथवा भौतिक संरचना के अनुसार उत्तर प्रदेश को तीन भौतिक विभागों में बाँटा जाता है। हिमालय पर्वत से लगा भाबर एवं तराई क्षेत्र, मध्य का मैदानी क्षेत्र एवं दक्षिण के पहाड़ एवं पठार। **भाबर एवं तराई क्षेत्र-**

पश्चिम में सहारनपुर से लेकर पूरब में कुशीनगर तक एक पतली पट्टी के रूप में भाबर एवं तराई क्षेत्र तक फैला है। पश्चिम में इसकी चौड़ाई लगभग 34 किमी है जो पूरब में घटती जाती है। इस क्षेत्र में ऊँची घासों एवं जैव विविधता युक्त घने वन पाए जाते हैं। इधर कुछ वर्षों से भूमि सुधार कार्यों के कारण इन वनों के विस्तार में कमी आई है। वनों को साफ करके उपजाऊ कृषि भूमि का विस्तार किया गया है। अब यहाँ धान, गेहूँ एवं गन्ना की रिकार्ड पैदावार की जा रही है।

मध्य का मैदानी क्षेत्र-

भाबर एवं तराई क्षेत्र के दक्षिण मैदानी क्षेत्र या गंगा-यमुना के मैदान का विस्तार है। इसका निर्माण हिमालय एवं दक्षिण के पठारी भाग से बहकर आने वाली नदियों द्वारा लाई गई जलोढ़ मिट्टी से हुआ है। इसका ढाल 30पू0 से 60पू0 है। इस क्षेत्र में बहने वाली नदियों को दो वर्ग में बाँटा जाता है। प्रथम हिमालय से बहकर आने वाली नदियाँ, इनमें यमुना, गंगा, रामगंगा, शारदा, गोमती, घाघरा, राप्ती आदि हैं। द्वितीय दक्षिण के पठारी भाग से आने वाली नदियाँ, इनमें चम्बल, केन, बेतवा, टोंस, रिहन्द, सोन आदि नदियाँ शामिल हैं।



दक्षिण का पठार-

उत्तर प्रदेश का दक्षिणी भाग पठार है। यह भारत के पठारी भाग का उत्तरी विस्तार है। उत्तर प्रदेश का पठारी भाग यमुना एवं गंगा नदियों के दक्षिण में है। इसका विस्तार झाँसी, जालौन, ललितपुर, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट, बांदा, इलाहाबाद जनपद का दक्षिणी भाग, गंगा के दक्षिण का मीरजापुर, चंदौली जनपद की चकिया तहसील एवं सोनभद्र जनपद में है। इस पठारी भाग को बुन्देलखण्ड का पठार भी कहते हैं।

जलवायु एवं ऋतुएँ

भौगोलिक विविधता के कारण हमारे प्रदेश में जलवायु सम्बन्धी क्षेत्रीय विभिन्नता पाई जाती है। फिर भी सामान्य रूप से उत्तर प्रदेश की जलवायु 'मानसूनी' है। यहाँ सामान्यतः वर्ष भर में तीन ऋतुएँ क्रमशः ग्रीष्म, वर्षा एवं शीत होती हैं।

मार्च से जून तक ग्रीष्म ऋतु होती है। इस ऋतु में पठारी भागों में तापमान 40 से 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है। तेज धूल भरी गर्म हवाएँ चलती हैं, इन्हें 'लू' कहा जाता है। सबसे अधिक गर्मी आगरा और झाँसी में तथा सबसे कम गर्मी बरेली में पड़ती है।

मध्य जून से मध्य सितम्बर तक वर्षा ऋतु होती है। बंगाल की खाड़ी की तरफ से आने वाली मानसूनी हवाओं से वर्षा होती है। प्रदेश की 88% वर्षा इसी ऋतु में होती है।

हिमालय के दक्षिण भाबर एवं तराई क्षेत्र में अधिक वर्षा होती है। वर्षा की मात्रा पश्चिम एवं दक्षिण की ओर घटती जाती है। सर्वाधिक वर्षा गोरखपुर जनपद में तथा सबसे कम वर्षा मथुरा जनपद में होती है। नवम्बर से फरवरी माह तक शीत ऋतु होती है। दक्षिण से उत्तर जाने पर ठंड बढ़ती जाती है। हिमालय पर हिमपात होने से मैदानी भागों में शीत लहर चलती है। शीत ऋतु में पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से कुछ वर्षा हो जाती है। यह वर्षा रबी की फसलों के लिए अत्यंत लाभकारी होती है।

मृदा एवं वनस्पति

उत्तर प्रदेश को तीन भौतिक विभागों में बाँटा जाता है। इस विभाजन का आधार यहाँ की जलवायु, भूआकृति, मृदा, वनस्पति आदि है। अतः मृदा एवं वनस्पति का अध्ययन इसी प्राकृतिक विभाजन के आधार पर किया जाता है।

भाबर एवं तराई-

भाबर क्षेत्र में मृदा का निर्माण हिमालय से आने वाली नदियों के भारी निक्षेप से होता है। इस मृदा का निर्माण बड़े एवं छोटे कंकड़ पत्थर तथा मोटे बालू से होता है। यहाँ प्रायः जल मृदा के नीचे से बहता है। इस क्षेत्र में कृषि कार्य अत्यंत कठिन है। अतः यहाँ ज्यादातर वन एवं झाड़ियाँ पाई जाती हैं। इसके विपरीत तराई क्षेत्र में महीन कणों के निक्षेप से निर्मित मृदा समतल, दलदली एवं नम होती है। यहाँ की उपजाऊ मृदा में गन्ने एवं धान की अच्छी पैदावार होती है।

भाबर एवं तराई क्षेत्र में उष्ण कटिबन्धीय नम पर्णपाती वन पाए जाते हैं। इन वनों में साल, गूलर, बेर, पलाश, इमली, शीशम, महुआ, सेलम आदि वृक्ष, बाँस के झुरमुट तथा झाड़ियाँ पाई जाती हैं। तराई क्षेत्र में वनों को साफ कर बड़े-बड़े फार्म स्थापित कर गन्ने एवं धान की कृषि की जा रही है।

मध्य का मैदानी क्षेत्र-

उत्तर प्रदेश के मैदानी क्षेत्र में उपजाऊ जलोढ़ मृदा पाई जाती है। यह मृदा कॉप मिट्टी, कीचड़ एवं बालू से निर्मित होती है जो पोषक तत्वों से भरपूर एवं अत्यंत उपजाऊ है। इस

क्षेत्र की मृदा को दो वर्गों में विभाजित किया जाता है। कछारी या नवीन जलोढ़ मृदा को खादर एवं पुरानी जलोढ़ मृदा को बांगर कहते हैं।

प्रदेश के मैदानी क्षेत्र में उष्ण कटिबन्धीय शुष्क पर्णपाती वन पाए जाते हैं। इन वनों में साल, पलाश, बेल, नीम, आम, महुआ, शीशम आदि वृक्ष मिलते हैं। मैदानी क्षेत्र में वनों को साफ कर कृषि भूमि का विस्तार किया गया है। अतः यहाँ बहुत कम वन बचे हैं।

दक्षिण का पठारी भाग-

प्रदेश के इस भाग की मृदा को पठारी भाग की मृदा भी कहते हैं। यहाँ मुख्य रूप से लाल मिट्टी, हल्के लाल रंग की बलुई दोमट, परवा मिट्टी, राकर, भोर एवं काली मृदा के समान चिकनी मार मिट्टी पायी जाती है। पठारों पर उष्ण कटिबन्धीय कटीली झाड़ियों के वन पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में अकेसिया, कंचा, फुलई, थोर, नीम आदि वृक्ष एवं कटीली झाड़ियाँ पाई जाती हैं।

सम्पूर्ण पठारी भाग में शुष्क खेती की जाती है और पैदावार सामान्य रहती है परन्तु सिंचाई एवं उर्वरकों के प्रयोग द्वारा अच्छी उपज भी प्राप्त की जाती है। यहाँ सरसों, मटर, चना, अरहर, सोयाबीन आदि फसलें पैदा की जाती हैं।

वन्यजीव

उत्तर प्रदेश में वनों के अनुसार वन्यजीव भी पाए जाते हैं। यहाँ पर अनेक प्रकार के वन्यजीव मिलते हैं जैसे- हाथी, ऊट, बाघ, बारहसिंगा, भालू, चीता, पांडा, अजगर, मगर, सांभर, लोमड़ी, सियार आदि साथ में अनेक प्रकार की रंग-बिरंगी चिड़िया जैसे-कबूतर, मयूर, तोता, मैना, गौरैया, कौआ, कोयल, किलहटी, कठफोड़वा, बगुला, बतख एवं जलमुर्गी भी पायी जाती है। उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान दुधवा लखीमपुर खीरी और पीलीभीत जिलों में 490 वर्ग किमी⁰ वन क्षेत्र में फैला हुआ है। इसके अलावा राज्य प्राणी उद्यान, राष्ट्रीय उद्यान, टाईगर रिजर्व, राज्य वन्यजीव विहार तथा राज्य पक्षी विहार संरक्षित किया गया है। उत्तर प्रदेश में लुप्त प्रजातियों को संरक्षण के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जैसे-कछुआ, घड़ियाल, टाईगर, एलीफैन्ट तथा सारस पक्षी आदि।

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

- (क) उत्तर प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत में किस स्थान पर आता है ?
- (ख) उत्तर प्रदेश में सम्भागों (मण्डलों) की संख्या बताइए ?
- (ग) उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा किस भाग में होती है ?
- (घ) राज्य में पाए जाने वाले वनों का वर्णन कीजिए ?
- (ङ.) राज्य में किस प्रकार की मृदा का सर्वाधिक विस्तार पाया जाता है ?

2. निम्नलिखित वाक्यों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए-

- (क) उत्तर प्रदेश का ज्यादातर भाग मैदानी है। ()
- (ख) उत्तर प्रदेश में जिलों की कुल संख्या 65 है। ()
- (ग) उत्तर प्रदेश में उष्ण कटिबन्धीय सदाबहार वन पाए जाते हैं। ()
- (घ) उत्तर प्रदेश में शीतकाल में व्यापक हिमपात होता है। ()

3. भौगोलिक कुशलताएँ-

- उत्तर प्रदेश के रिक्त मानचित्र पर प्रदेश की प्रमुख मिट्टियों के क्षेत्रों को छायांकित कीजिए।

परियोजना कार्य (Project work)

- अपने आस-पास पाए जाने वाले वृक्षों को देखिए और उनको विभिन्न प्रकार के वनों में बाँट कर सूची बनाइए।